मेलबर्न। सनस्क्रीन तीन तरह के त्वचा कैंसर से 100 फीसदी सुरक्षा तो करता ही है, इसके साथ ही यह उस ‘सुपरहीरो जीन’ की भी सुरक्षा करता है जो कैंसर को रोकने में मदद करता है।

ऐसा माना जाता है कि सनस्क्रीन आपको सनबर्न से बचाता है लेकिन त्वचा कैंसरों से बचाव में सनस्क्रीन के प्रभाव के बारे में अकादमिक बहसें चलती रही हैं।

क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के बयान के अनुसार, यूनिवर्सिटी ने सनस्क्रीन के प्रभाव का अध्ययन आणविक स्तर पर करने के लिए दुनिया का पहला मानव आधारित अध्ययन किया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि सनस्क्रीन तीनों प्रकार के त्वचा कैंसर बीसीसी, एससीसी और मेलीग्नेंट मेलानोमा से 100 फीसदी सुरक्षा प्रदान करता है।

प्रमुख शोधकर्ता एल्के हैकर ने कहा कि सनस्क्रीन त्वचा कैंसर कर सकने वाले नुकसान से तो सुरक्षा देता ही है, साथ ही यह महत्वपूर्ण जीन पी53 का भी बचाव करता है। यह वही जीन है जो कैंसर को रोकने में मदद करता है।

हैकर ने कहा, “जैसे ही हमारी त्वचा को सूर्य से नुकसान पहुंचता है, पी53 उस नुकसान की भरपाई में लग जाता है और त्वचा कैंसर को होने से रोकता है। लेकिन अगर सनबर्न लगातार होता रहता है तो पी53 में परिवर्तन होने लगता है और वह सूर्य की वजह से त्वचा को पहुंचे नुकसान की भरपाई नहीं कर पाता। इस सुरक्षा के न मिल पाने के कारण त्वचा कैंसर की संभावना बढ़ जाती है।”

(भाषा)